"अर्हम" आत्म शुद्धि हेतु शक्तिशाली मंत्र है

- आचार्य महाप्रज्ञ

बीदासर, 27 जनवरी, 2009

प्रेक्षाध्यान के प्रणेता राष्ट्रसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने कहा कि 'अर्हम' आत्मशुद्धि के लिए शक्तिशाली मंत्र है। इसका निरंतर जप करने से मस्तिष्क की शुद्धि होती है। गले की शक्ति बढ़ती है।

उन्होंने उक्त विचार तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मस्तिष्क एवं गले का काम शरीर का सबसे उत्तम अंग है। गला स्वस्थ रहता है तो शरीर भी स्वस्थ रहता है। प्रेक्षाध्यान में शरीर को महत्त्व दिया है। धर्म की साधना के लिए शरीर के रहस्यों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'अर्हम' मंत्र के उच्चारण करते समय अ से कण्ठ, र से मुर्धा, ह से कण्ठ एवं म् से होठ प्रभावित होते है। इसके जप से निकलने वाले प्रकंपन्नों से अनेक बीमारियों का ईलाज संभव है।

- अशोक सियोल